Daily Gospel Reflections in Hindi

17 August 2019

लूकस 9: 49 - 56

He that is not against you is for you

प्रचलित कहावत है कि इंसान को स्वयं की असफलता से ज्यादा दुख दूसरों की सफलता से होती है। आज के सुसमाचार में हम प्ररितों को भी इसी भावना से ग्रस्त देखते हैं। जब शिष्यों के सामने अपदूत ग्रस्त को लाते हैं तो वे उसे चंगा नहीं कर पाते । वहीं कोई अन्य जो प्रेरितों के साथ नहीं था वही कार्य करता है इसलिए शिष्य उसे रोकने की कोशिश करते हैं तब प्रभु ने कहा कि जो तुम्हारे विरुद्ध नहीं वह तुम्हारे साथ है। ऐंसी ही एक घटना हम पुराने विधान में भी देखतें हैं जब 70 वयोवृद्धो का चयन होने के बाद उन्हें ईश्वर द्वारा वरदान दिया जा रहा था तब उन में से दो अपने ही तंबू में ही रहे फिर भी उन्हे ईश्वरीय अनुग्रह मिला। तब योशुआ ने मूसा से इस की शिकायत की और कहा कि उन्हें रोका जाए। इस से स्पष्ट है कि ईश्वरीय वरदान जगह अथवा स्थिति देख कर नहीं बल्कि प्रभु के द्वारा दिया जाने वाला मुफ्त तोहफा है। प्रभु येसु हमें बार बार आगाह करते हैं कि महज प्रभु के सामिप्य से नही बल्कि प्रभु के वरदान से और उन की शिक्षा पालन करने से ही हम प्रभु के अनुग्रह के लायक बन सकते हैं । आज का सुसमाचार हमें यह भी बता ता है कि हमें दूसरों को मिले वदानों के कारण ईष्या नहीं करनी चाहिए लेकिन उन वरदानों को लोक हित में प्रयोग करना चाहिए।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019